IIM Raipur Concludes Eco-Friendly Initiative under National Program 'Ek Ped Maa Ke Naam'

Or

Ek Ped Maa Ke Naam Initiative: IIM Raipur's Commitment to Sustainability

Raipur, 19 September 2024 – In alignment with Honourable Prime Minister Narendra Modi's National Program *'Ek Ped Maa Ke Naam'*, the Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur) successfully concluded a transformative ecological initiative aimed at regenerating ecosystems and creating sustainable habitats for flora and fauna on its campus.

As part of this initiative, nearly 900 native species, including sacred and culturally significant trees like Peepul, Mahua, Bel, Putranjaya, and others were planted across the campus in hard laterite soil. The initiative created a green corridor, enhancing the biodiversity of the campus.

To ensure sustainability, the trees were nourished exclusively with organic compost made from pre-consumer food waste, leaves, and grass collected from the campus itself. The project proudly adopted a zero-waste approach, using on-site compost, and the trees were irrigated using reclaimed water from the campus's Sewage Treatment Plant, which recycles 100% of wastewater. No external soil or water was used, making the project a model of eco-friendly resource management.

Each tree was geo-tagged, providing detailed information about the species, planter, and date of planting. The tagging system also allowed ongoing monitoring and a personal connection for those involved in planting.

The initiative saw active participation from students, faculty, staff, and all campus departments, including housekeeping, mess, maintenance, and security. A unique feature was the student-driven planting, where first- and second-year students teamed up to plant trees. In a tradition that will continue, each first-year student passed the responsibility of nurturing the tree to a new first-year student upon graduation, fostering an intergenerational bond between students, the institute, and their tree.

With the geo-tagging feature, alumni—regardless of where they are in the world—can now track the growth of their tree over time, reinforcing their connection to the environment and their alma mater.

Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur, expressed his enthusiasm for the initiative, stating,

"Our participation in *'Ek Ped Maa Ke Naam'* represents IIM Raipur's dedication to sustainability and the future. This project is a step towards ensuring that our campus not only

serves as a center for academic excellence but also as a model for ecological responsibility. The intergenerational tree planting is a beautiful metaphor for how we hope to nurture future leaders—grounded in values, connected to their roots, and committed to leaving a positive legacy."

IIM Raipur's participation in *'Ek Ped Maa Ke Naam'* demonstrated the institute's commitment to sustainability, blending heart, history, and cutting-edge technology to create a lasting green legacy. This initiative showcased the institute's dedication to the environment, leaving a positive impact for future generations.

भा.प्र.सं. रायपुर ने राष्ट्रीय कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत पर्यावरण अनुकूल पहल का समापन किया

या

'एक पेड़ माँ के नाम' पहल: भा.प्र.सं. रायपुर की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता

रायपुर, 19 सितंबर 2024 – माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) ने अपने परिसर में पारिस्थितिक तंत्रों के पुनर्जनन और पौधों एवं जीवों के लिए स्थायी आवास बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहल का सफलतापूर्वक समापन किया।

इस पहल के तहत परिसर में लगभग 900 देशी प्रजातियों के वृक्ष, जिनमें पीपल, महुआ, बेल, पुत्रंजय और अन्य पवित्र एवं सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पेड़ शामिल हैं, लगाए गए। इन पेड़ों को कठोर लैटराइट मिट्टी में लगाया गया और यह पहल परिसर की जैव विविधता को बढ़ाने के लिए एक हरित गलियारे का निर्माण कर रही है।

इस पहल की सततता सुनिश्चित करने के लिए इन पेड़ों को विशेष रूप से परिसर से ही एकत्रित प्री-कंज्यूमर फूड वेस्ट, पत्तियों और घास से बने जैविक खाद से पोषित किया गया। परियोजना ने शून्य-अपशिष्ट दृष्टिकोण अपनाया, जहां स्थल पर ही खाद का उपयोग किया गया, और पेड़ों को सिंचित करने के लिए परिसर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से प्राप्त पुनर्नवीनीकृत जल का उपयोग किया गया, जो 100% अपशिष्ट जल का पुन: चक्रण करता है। किसी भी बाहरी मिट्टी या जल का उपयोग नहीं किया गया, जिससे यह परियोजना पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन का एक आदर्श उदाहरण बन गई।

प्रत्येक वृक्ष को जियो-टैग किया गया, जिससे उस वृक्ष की प्रजाति, पौधारोपण करने वाले व्यक्ति और पौधारोपण की तिथि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके। इस टैगिंग प्रणाली से वृक्षों की निरंतर निगरानी संभव हुई और उनमें पौधारोपण करने वालों के लिए व्यक्तिगत संबंध बना रहा।

इस पहल में छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सभी विभागों, जैसे कि हाउसकीपिंग, मेस, मेंटेनेंस, और सुरक्षा विभाग, ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एक अनूठी विशेषता थी छात्रों द्वारा संचालित पौधारोपण, जहां प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र मिलकर वृक्षारोपण करते थे। इस परंपरा को जारी रखते हुए, प्रत्येक प्रथम वर्ष का छात्र स्नातक होने पर अपने वृक्ष की देखभाल का दायित्व एक नए प्रथम वर्ष के छात्र को सौंपता है, जिससे छात्रों, संस्थान और उनके वृक्ष के बीच एक पीढ़ीगत संबंध बनता है।

जियो-टैगिंग फीचर के साथ, अब भूतपूर्व छात्र, चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों, अपने वृक्ष की वृद्धि को समय-समय पर ट्रैक कर सकते हैं, जो पर्यावरण और उनके अल्मा मेटर के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने इस पहल के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, "'एक पेड़ माँ के नाम' में हमारी भागीदारी भा.प्र.सं. रायपुर की सतत विकास और भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह परियोजना इस दिशा में एक कदम है कि हमारा परिसर न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र बने, बल्कि पारिस्थितिक जिम्मेदारी का भी एक आदर्श बन सके। पीढ़ी दर पीढ़ी वृक्षारोपण की यह परंपरा एक सुंदर रूपक है, जो यह दर्शाती है कि हम भविष्य के नेताओं को कैसे पोषित करना चाहते हैं – जो मूल्यों में जड़ें जमाए हों, अपनी जड़ों से जुड़े हों, और एक सकारात्मक विरासत छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हों।"

'एक पेड़ माँ के नाम' में भा.प्र.सं. रायपुर की भागीदारी ने संस्थान की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया, जिसमें दिल, इतिहास और अत्याधुनिक तकनीक को मिलाकर एक स्थायी हरित विरासत का निर्माण किया गया। इस पहल ने पर्यावरण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ने वाली है।

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RAIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर

Building Business Owners